Raga of the Month February 2026 Raga GaraBageshri

राग गाराबागेश्री

राग गाराबागेश्री यह एक जयपूर-अत्रौली घरानेमे गाया जानेवाला अल्पप्रचलित राग है। इस राग के नामसे ही हम समझ सकते हैं की यह गारा और बागेश्री इन दो प्रसिद्ध रागोंका संयुक्त स्वरुप है। इस राग में कोमल गंधार और कोमल निषाद तथा अन्य स्वर शुद्ध लगते हैं।

म़ ध़ नि़ सा, म ग रे ग रे सा, म प म ग, रे नि़ सा नि़ ध़, इन स्वर समूहोंमे राग गारा प्रदर्शित होता है।

बाकी प्रमुख संचारोंमे बागेश्री प्रधान रूपसे दीखता है। आंदोलित गंधार और पंचम का आरोहमे अल्प प्रयोग इसे बागेश्री से अलग रखता है। वादी मध्यम और संवादी षडज माना गया है।

राग गाराबागेश्री का चलन इस प्रकार होगा।

ध़ नि़ सा, म ग रे सा , सा म , प म प, ~ग~, ग म प, म ग रे सा ; ध, ध नि़ ध, म ध नि़ सां, रें सां नि़ ध, प म प, ~ग~, रे ग म , म ग रे सा.

आज के ऑडियो में पंडित मल्लिकार्जुन मन्सूरजी ने गाया हुआ राग गाराबागेश्री का अंश सुनेंगे।

आभार - पंडित यशवंत महाले.

01-02-2026.

Link to the list of 180+ Raga of the month articles

@ Archive of ROTM Articles https://oceanofragas.com/Raga_Of_Month_Alphabetically.aspx